सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 9 SEPTEMBER TO 15 SEPTEMBER 2020 • VOLUME- 7 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay money after the visa
IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.
*T&C apply

भारतीय मीडिया को भी ग्लोबल होने की जरूरत

पीए मोदी ने पत्रिका गेट का किया उद्घाटन

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

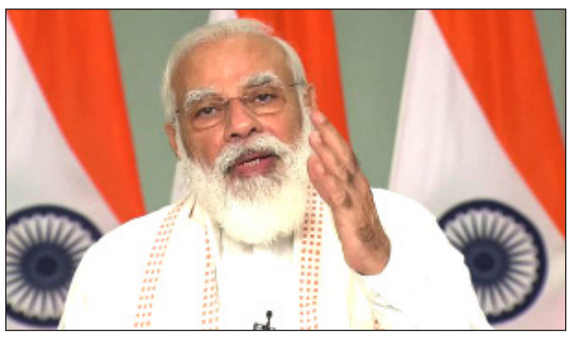

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की उपस्थिति मजबूत हुई है , ऐसे में भारतीय मीडिया को भी 'ग्लोबल' होने की जरूरत है। जयपुर में जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर समाचारपत्र समूह 'पत्रिका' की ओर से निर्मित 'पत्रिका गेट' का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि मीडिया द्वारा सरकार की आलोचना स्वाभाविक है और इससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है। मोदी ने कोरोना वायरस महामारी को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए मीडिया की सराहना करते हुए इसे लोगों की 'अभूतपूर्व ' सेवा बताया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत के स्थानीय उत्पाद आज ग्लोबल हो रहे हैं। भारत की आवाज भी और ज्यादा ग्लोबल हो रही है। दुनिया भारत को और ज्यादा गौर से सुनती है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की मजबूत उपस्थिति है। ऐसे में भारत के मीडिया को भी ग्लोबल होने की जरूरत है।'' स्वच्छ भारत, उज्जवला गैस योजना और जल जीवन मिशन जैसी सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने और कोरोना के खिलाफ जंग में मीडिया की भूमिका की सराहना करते हुए मोदी ने सरकार के कार्यों की विवेचना और आलोचना को स्वाभाविक बताया। उन्होंने कहा, ''सरकार की योजनाओं में जमीनी स्तर पर जो कमियां है, उसको बताना और उसकी आलोचना स्वाभाविक है। सोशल मीडिया के दौर में यह और भी ज्यादा स्वभाविक हो गया है। लेकिन आलोचना से सीखना भी हम सबके लिए उतना ही स्वाभाविक और आवश्यक है। इसलिए आज हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है।'' प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत और 'लोकल के लिए वोकल' संकल्प को एक बड़े अभियान की शक्ल देने और उसे व्यापक करने की जरूरत पर बल दिया। इस कार्यक्रम में जयपुर से राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राज्यपाल कलराज मिश्र भी शामिल हुए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने पत्रिका समूह के अध्यक्ष द्वारा लिखित दो पुस्तकों का विमोचन भी किया।

सुशांत सिंह राजपूत मामले से जुड़े ड्रग्स केस में रिया चक्रवर्ती गिरफ्तार

■ मुंबई/ब्यूरो

सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले से जुड़े ड्रग्स केस में आज लगातार तीसरे दिन लंबी पूछताछ के बाद एनसीबी ने अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर लिया है। कुछ देर में आधिकारिक ऐलान किया जाएगा। अब रिया चक्रवर्ती को मेडिकल टेस्ट के लिए लाया जाएगा। इसके बाद रिया को अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया जाएगा। जहां एनसीबी उनके रिमांड की मांग करेगी। एनसीबी ने रिया से रविवार को छह घंटे और सोमवार को आठ घंटे तक पूछताछ की थी। इस दौरान एनसीबी ने उनके छोटे भाई शौविक चक्रवर्ती (24), राजपूत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा (33) और राजपूत के निजी स्टाफ सदस्य दीपेश सावंत से आमना-सामना कराया। गौरतलब है कि एजेंसी को मोबाइल फोन चैट रिकॉर्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डेटा हासिल हुआ था जिसमें प्रतिबंधित मादक पदार्थ की खरीद में इन लोगों की संलिप्तता सामने आई थी। एनसीबी ने पिछले कुछ दिनों में मामले की जांच के दौरान इन तीनों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले रिया से प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई भी पूछताछ कर चुकी हैं। रिया ने कई इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने खुद कभी मादक पदार्थ का सेवन नहीं किया है। उन्होंने दावा किया था कि सुशांत सिंह राजपूत मारिजुआना का सेवन करते थे। सूत्रों के मुताबिक आज रिया ने कबूल किया कि उन्होंने ड्रग्स का सेवन किया है। एजेंसी ने अंजू केशवानी नाम के एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया। कैजन इब्राहीम से पूछताछ के दौरान केशवानी का नाम सामने आया था। कैजन को मामले में पहले गिरफ्तार किया गया था। एजेंसी ने रविवार को केशवानी के ठिकानों पर छापेमारी कर कथित तौर पर हशीश, एलएसडी, मारिजुआना और कुछ नकद भी बरामद किया था। एनसीबी ने अब तक इस मामले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से सात इस जांच से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं जबकि दो को उसने एनडीपीएस कानून की धाराओं के तहत जांच शुरू होने के बाद गिरफ्तार किया। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत 14 जून को उनके बांद्रा स्थित अपार्टमेंट में मृत मिले थे।

भाजपा सरकार पर प्रियंका का वार

यूपी में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नहीं, ईज ऑफ डूइंग क्राइम है

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कारोबार करने की सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) की रैंकिंग में उत्तर प्रदेश के लंबी छलांग लगाने की पृष्ठभूमि में मंगलवार को दावा किया कि भाजपा सरकार के तहत राज्य में सिर्फ 'ईज ऑफ डूइंग क्राइम और ईज ऑफ डूइंग घोटाला' है। उन्होंने ट्वीट किया, ''ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर उप्र सरकार का खुद की पीठ थपथपाना वैसा ही है जैसे लापता सहमति पत्रों के बल पर

निवेश कराना। प्रदेश में उद्योग धंधे बंद हो रहे हैं। फैक्ट्रियों में ताला लगा है, बुनकर करघा बेच रहे हैं।'' कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने दावा किया, ''वास्तव में यहां केवल ईज ऑफ डूइंग क्राइम और ईज ऑफ डूइंग घोटाला है।''

गौरतलब है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने गत शनिवार को राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनस' की रैंकिंग जारी की है। रैंकिंग में उत्तर प्रदेश 10 स्थान की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। तेलंगाना दूसरे स्थान से खिसक कर तीसरे पायदान पर पहुंच गया। आंध्र प्रदेश पहले स्थान पर इस साल भी काबिज है।

बौखलाहट में शिवसेना ने कंगना रनौत पर लगाया ड्रग्स कनेक्शन का आरोप

कंगना रनौत ने दिया मुंहतोड़ जवाब

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

कंगना रनौत ने कहा है कि अगर ड्रग्स से संबधित किसी कनेक्शन में मेरा नाम सामने आया तो मैं मुंबई हमेशा के लिए छोड़ दुंगी

एक्ट्रेस कंगना रनौत को शिवसेना नेता संजय राउत के द्वारा अपशब्द कहे जाने के बाद चारों तरफ से शिवसेना की आलोचना हो रही है। ऐसे में शिवसेना और एनसीपी के विधायकों से बनीं महाराष्ट्र सरकार कंगना के खिलाफ कार्रवाई करने का एक भी मौका नहीं छोड़ रही। संजय राउत ने कंगना को हरामखोर बोला था और इसके बाद अपनी सफाई में यह भी कहा कि हरामखोर का मतलब नॉटी होता है, उन्होंने अपने बयान पर अब तक मांफी भी नहीं मांगी। उनके इस बेतूके बयान के बाद हर कोई संजय राउत के खिलाफ एक्शन की मांग कर रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने संजय राउत पर तो कोई एक्शन नहीं लिया लेकिन कंगना को घेरना शुरू कर दिया है। पहले कंगना को बीएमसी की तरफ से नोटिस भेजा गया। अब कंगना पर महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने ड्रग्स कनेक्शन और ड्रग्स सेवन का आरोप लगाया है। कंगना रनौत ने भी महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख के हर आरोप को ताल ठोक के चुनौती दी है। कंगना रनौत ने कहा है कि अगर ड्रग्स से संबधित किसी कनेक्शन में मेरा नाम सामने आया तो मैं मुंबई हमेशा के लिए छोड़ दुंगी। कंगना ने अपने उपर लगाएं सभी आरोपों को खारिज किया है।

महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा था कि मुंबई पुलिस कंगना रनौत के कथित ड्रग लिंक पर नज़र रखेगी, कंगना का ड्रग टेस्ट भी करवायेगी और उसके कॉल रिकॉर्ड की जांच भी करेगी। गृह मंत्री ने मंगलवार को कहा कि कंगना के कथित ड्रग लिंक की जांच उनके पूर्व-प्रेमी अध्ययन सुमन के एक पुराने साक्षात्कार के आधार पर की जाएगी, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने उन्हें कोकीन के लिए राजी किया। इससे पहले, शिवसेना के नेता सुनील प्रभु और प्रताप सरनाईक ने सरकार को अध्ययन के साक्षात्कार की प्रतियां सौंपी थीं और कंगना के खिलाफ आरोपों की जांच की मांग की थी।

अरुणाचल से गायब पांच युवक चीन के पास, वापसी प्रक्रिया पर काम जारी

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजु ने मंगलवार को कहा कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने इसकी पुष्टि की है कि अरुणाचल प्रदेश से लापता पांच युवा उसे मिले हैं और उन्हें भारतीय प्राधिकारियों को सौंपने

की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा है। पांचों युवक गत शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबांसिरी जिले में चीन-भारत सीमा से लापता हो गए थे। रिजीजु ने ट्वीट किया, ''चीन की पीएलए ने भारतीय सेना द्वारा भेजे गए हॉटलाइन संदेश का जवाब दिया है।

उन्होंने इसकी पुष्टि की है कि अरुणाचल प्रदेश से लापता युवक उनकी ओर मिले हैं। व्यक्तियों को हमारे प्राधिकारियों को सौंपने की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा है।

प्रो. स्वरूप के निधन पर पीएम मोदी ने जताया शोक, बोले- रेडियो खगोल विज्ञान में अग्रणी कार्यों के लिए वैश्विक प्रशंसा हासिल की

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को प्रख्यात खगोल वैज्ञानिक प्रो. गोविंद स्वरूप के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने रेडियो खगोल विज्ञान में अग्रणी कार्यों के लिए वैश्विक प्रशंसा हासिल की।

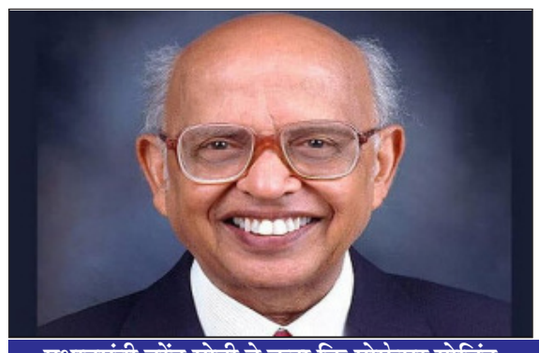

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रोफेसर गोविंद स्वरूप एक असाधारण वैज्ञानिक थे। रेडियो खगोल विज्ञान में अग्रणी कार्यों के लिए उन्होंने वैश्विक प्रशंसा हासिल की है।

उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''प्रोफेसर गोविंद स्वरूप एक असाधारण वैज्ञानिक थे। रेडियो खगोल विज्ञान में अग्रणी कार्यों के लिए उन्होंने वैश्विक प्रशंसा हासिल की है। उनके निधन से मैं बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उनके निकट संबंधियों और प्रियजन के साथ हैं।'' अपने ट्वीट के साथ ही प्रधानमंत्री ने सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार की ओर से किए गए एक ट्वीट को साझा करते हुए लोगों से उसे पढने की अपील की। स्वरूप का सोमवार की रात को महाराष्ट्र के पुणे में एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 91 वर्ष के थे। साल 1929 में जन्मे, स्वरुप भारत में रेडियो खगोल विज्ञान के क्षेत्र में मार्गदर्शकों में से एक थे।

बिल्डरों को नहीं लगता रेरा कानून से डर, लोग परेशान

■ जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

केन्द्र सरकार द्वारा रेरा कानून इसलिए लाया गया था की जो बिल्डर और उद्योगपतियों द्वारा रियल एस्टेट प्रोजेक्ट को लाकर लोगों से भारी भरकम रकम की वसूली करकर ना तो उन्हें घर मुहैया करवाया गया और जो कर्जा उन्होंने इसको खरीदने के लिए बैंक से उठाया था उसकी किश्तों का भुगतान भी बिना घर लिए करना पड़ा। भारत देश की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदान रियल एस्टेट उद्योग का है जो इस समय देश में काफी कमज़ोर चल रहा है प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गयी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट भी बड़ी धीमी रफ्तार से चल रहे है ।

"पंजाब में रेरा लोगों को संतुष्ट क्यों नहीं कर पा रहा ?"

परन्तु जिस काम के लिए इस कानून को लागू किया पीड़ित लोग आज भी बिल्डरों द्वारा ठगे जा रहे है और उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही इस कानून के तहत साफ शब्दों में लिखा गया है जिस प्रोजेक्ट का इस कानून के लागू होने के बाद संबंधित विभाग द्वारा कम्पलीशन जारी नहीं किया गया उसको इस कानून के तहत अपने प्रोजेक्ट को रजिस्टर करवाना होगा परन्तु जमीनी हकीकत में ऐसा कुछ नहीं दिख रहा जो रेरा पर भी सवाल खड़े कर रहा है। क्या इन्होंने संबंधित विभागों से लिस्ट मांगी की किन प्रोजेक्टों के कम्पलीशन जारी नहीं हुए और बिल्डरों

को क्या पंजाब रेरा ने नोटिस जारी किये है या इनकी लिस्ट को अपनी वेबसाइट या समाचार पत्र के माध्यम से लोगों को जागरूक किया ताकी लोग ठगी का शिकार ना हो जाये। पंजाब के बड़े-बड़े बिल्डरों के द्वारा आज भी प्रोजेक्ट को बीच में ही छोड़ कर लोगों को परेशान किया जा रहा है सूत्र बताते है पंजाब रेरा कमिशन में या ट्रिब्यूनल में नियुक्तियां की गयी है उनके बिल्डर्स के साथ पुराने संबन्ध है इसलिए यह कमिशन भी बिल्डरों के लिए सुविधा का ही काम कर रहा है यह सब जांच का विषय है की कौन-कौन सा अधिकारी उपभोक्ता के हक में काम कर रहा है कौन सा खिलाफ ताकि बिल्डरों की मनमानियों को रोका जा सके ।

दखल

कैंसर का मर्ज बढ़ा रहा जोखिम

दरअसल, हमारे यहां आज भी स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा इस कदर कमजोर है कि कैंसर के अलावा भी बहुत सारी बीमारियां समय पर पहचान में नहीं आ पातीं और समय पर इलाज नहीं मिलने की वजह से किसी व्यक्ति की नाहक ही जान चली जाती है। अगर कोई व्यक्ति निजी अस्पतालों का रुख करता भी है तो वहां का महंगा इलाज उसे लाचार बना देता है। कैंसर की बीमारी की रोकथाम का इलाज सिर्फ समझ और जागरूकता है।

एक समय था जब कैंसर से पीड़ित मरीजों के मामले कभी-कभार सुनने में आते थे और यह लोगों के चौंकने का मामला होता था। पर आज अक्सर लोगों को उनके संपर्क के किसी व्यक्ति के कैंसर से पीड़ित होने और कई बार उनकी मौत तक की खबरें सुननी पड़ती हैं। जाहिर है, कैंसर के इस तरह पांव फैलाने के पीछे एक बड़ी वजह हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में खानपान से लेकर समूची जीवनशैली में आए बदलाव हैं। लेकिन इस समूचे मसले पर सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि अब यह जानलेवा रोग बहुत तेजी से बच्चों को भी अपनी चपेट में ले रहा है। एक खबर के मुताबिक दुनिया भर में हर साल लगभग तीन लाख बच्चे इस बीमारी के शिकार हो जाते हैं। इनमें से 78 हजार यानी करीब एक चौथाई से ज्यादा बच्चों की मौत अकेले भारत में होती है। यह आंकड़ा किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को दहला देने के लिए काफी है, क्योंकि इतनी बड़ी तादाद में बच्चों का कैंसर की चपेट में आना एक बड़ी चेतावनी है कि आने वाली पीढ़ियों पर कैंसर की भयावह मार पड़ सकती है।

यह किसी से छिपा नहीं है कि यह रोग खानपान और जीवनशैली की वजह से उभरता है और आमतौर पर रोग-प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने की वजह से ही किसी व्यक्ति के शरीर में घर बनाता है। तो क्या हमारे समाज में लोग अपने बच्चों के जीवन को इस जोखिम में छोड़ रहे हैं जिसमें वे इस रोग से बचाव के प्रति लापरवाही बरतें? निश्चित रूप से कैंसर के लिए वंशानुगत अथवा अनुवांशिक कारण भी जिम्मेदार होते हैं, लेकिन इसके अलावा रोजमर्रा की जिंदगी में जिस तरह की खाने-पीने चीजें बच्चों की आदत में शुमार होती गई हैं, वे उनके शरीर के पोषण की स्थिति को कमजोर करती हैं और उनके भीतर रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में बहुत ज्यादा संरक्षण में रहने वाला कोई भी बच्चा आसानी से किसी बीमारी और यहां तक कि कुछ स्थितियों में कैंसर जैसे घातक रोग की चपेट में आ जाता है। अफसोस की बात यह है कि मौजूदा समय तक भी इसका कोई कारगर और सुलभ इलाज नहीं ढूंढा जा सका है। फिर भी, अगर शुरुआती दौर में कैंसर का पता चल जाता है तो ज्यादातर मामलों में उससे निजात पाई जा सकती है।

दरअसल, हमारे यहां आज भी स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा इस कदर कमजोर है कि कैंसर के अलावा भी बहुत सारी बीमारियां समय पर पहचान में नहीं आ पातीं और समय पर इलाज नहीं मिलने की वजह से किसी व्यक्ति की नाहक ही जान चली जाती है। अगर कोई व्यक्ति निजी अस्पतालों का रुख करता भी है तो वहां का महंगा इलाज उसे लाचार बना देता है। खासतौर पर ग्रामीण इलाकों में कैंसर पीड़ित बच्चों के अस्पताल और आधुनिक चिकित्सा सेवाओं तक पहुंचने की दर केवल 15 फीसद है। दूसरी ओर, विकसित देशों में कैंसर से पीड़ित 80 फीसद बच्चे इस रोग के इलाज के दौरान ठीक हो जाते हैं, जबकि भारत में डॉक्टर कैंसर से पीड़ित केवल 30 फीसद बच्चे ही बचा पाते हैं। जाहिर है, परिवारों में बच्चों के खानपान, जीवनशैली में सुधार के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं में कमी के समांतर गरीबी और जागरूकता के अभाव को दूर किए बिना इस रोक की मारक क्षमता से लड़ पाना मुश्किल बना रहेगा। सवाल है कि जब कमजोर स्वास्थ्य सेवाओं की वजह से इस रोग की समय पर पहचान कर पाना ही मुश्किल बना हुआ है, तब उसके इलाज को लेकर कितना आश्वस्त हुआ जा सकता है!

भारत समेत दुनिया के तमात देशों में कैंसर तेजी से पांव पसार रहा है, लेकिन भारत में यह कुछ ज्यादा ही खतरनाक रूप अख्तियार कर रहा है। भारत में कैंसर की स्थिति को लेकर किए गए एक ताजा अध्ययन में बताया गया है कि यहां प्रत्येक 20 वर्ष में इस जानलेवा बीमारी से पीड़ित मरीजों की संख्या दोगुनी हो रही है। कैंसर का सबसे ज्यादा खतरा, सबसे ज्यादा आबादी वाले आठ राज्यों में है। जर्नल ऑफ ग्लोबल ऑन्कोलॉजी में इसी माह प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है कि भारतीय आर्युवेदों और पांडुलिपियों में भी कैंसर जैसी बीमारियों और उपचार का उल्लेख मिलता है। मतलब कैंसर सदियों पुरानी बीमारी है। अर्थवेद समेत कई भारतीय ग्रंथों में भी इसी तरह की बीमारी का जिक्र करते हुए बचाव के लक्षण बताए गए हैं। वर्ष 1860 से 1910 के बीच इंडियन मेडिकल सर्विस के डॉक्टरों द्वारा पूरे भारत में कई ऑडिट्स किए गए और कैंसर संबंधी मामलों का ब्यौरा प्रकाशि किया गया था। 19वीं सदी में पश्चिमी दवाओं की स्वीकार्यता बढ़ने के बाद कैंसर की जांच शुरू हुई।

वर्ष 1917 से 1932 के बीच भी भारतीय डॉक्टरों द्वारा विभिन्न मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम रिपोर्ट, पैथोलॉजी रिपोर्ट व क्लीनिकल डाटा का अध्ययन किया गया, इसमें पता चला कि अधेड़ आयु और बुजुर्ग अवस्था में कैंसर से मौत के मामले सामान्य होते जा रहे हैं। भारत में कैंसर की स्थिति पर यह अध्ययन कोलकाता स्थित टाटा मेडिकल सेंटर के डिपार्टमेंट ऑफ डाइजेस्टिव डिजीस के मोहनदास के. मल्लाथ और लंदन स्थित किंग्स कॉलेज के शोधछात्र रॉबर्ट डी स्मिथ ने मिलकर किया है। इसमें बताया गया है कि भारत में प्रत्येक 20 वर्ष में कैंसर के मामले दोगुने हो रहे हैं। कैंसर का सबसे ज्यादा खतरा उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और राजस्थान राज्य में है। इसकी वजह ये है कि ये राज्य महामारी के संक्रमण काल से गुजर रहे हैं। इस अध्ययन में कहा गया है कि भारत में जिन आठ राज्यों में कैंसर का खतरा सबसे ज्यादा है, वहां इसके इलाज की सुविधाएं न के बराबर हैं। भारतीय शोधकर्ता मल्लाथ के अनुसार अगर इन राज्यों की मौजूदा स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो स्थिति हमारी उम्मीदों से ज्यादा खतरनाक हो सकती है। इन राज्यों के अलावा भी पूरे देश में कैंसर के इलाज के आधारभूत ढांचे का भारी अभाव है। सरकारी अस्पतालों की स्थिति बहुत खराब होने की वजह से वहां पर्याप्त और बेहतर इलाज संभव नहीं है। निजी अस्पतालों में जो इलाज की सुविधाएं मौजूद भी हैं, वो बहुत महंगी हैं। बहुत से मामलों में देखा गया है कि मध्यम वर्गीय परिवार भी निजी अस्पताल में इस बीमारी का खर्च वहन करने में समर्थ नहीं है।

कैंसर पश्चिमी सभ्यता और आधुनिक जीवनशैली की देन है। अध्ययन में कैंसर के लिए इंसानों की बढ़ती औसत आयु को वजह बताया गया है। पहले भी कैंसर पर रिसर्च करने वालों ने बढ़ती उम्र को ही कैंसर की वजह मानी है। अध्ययन में कहा गया है कि कैंसर से बचाव के उपाय अपनाने के बाद भी देश में कैंसर के मामले बढ़ेंगे। इसकी वजह आम लोगों की आयु बढ़ना है। मसलन अगर सरकार तंबाकू उत्पाद को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर देती है तो लोगों की औसत आयु तकरीबन 10 वर्ष और बढ़ सकती है। इससे महिलाओं में स्तन कैंसर और पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के मामले तो और बढ़ेंगे, क्योंकि इसकी मुख्य वजह ही लंबी आयु है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार ऐसी व्यवस्था करे जिसमें कैंसर की नियमित जांच, शुरुआती चरण में पहचान और इलाज की सुविधा शामिल हो। बहुत से विशेषज्ञों का ये भी मानना है कि सरकार को निजी अस्पतालों के कैंसर केयर प्रोग्राम पर रोक लगा देनी चाहिए। निजी क्षेत्र में इलाज का खर्च बहुत ज्यादा और बहुत कम लोग ही ये खर्च उठा सकते हैं।

विचार

कंगना और राउत दोनों गलत हैं...

सुशांत केस में कंगना और संजय राउत के बीच ट्विटर वॉर सारी हदें पार कर जाएगा, यह किसी को इल्म नहीं था। अब भले ही सरकार ने कंगना को वाई प्लस सुरक्षा देकर उनके मुंबई जाने का इंतजाम कर दिया हो, मगर कंगना और राउत को भाषा पर संयम तो रखना ही था।

बॉलीवुड में बेबाक राय रखने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपने विरोधियों को चैलेंज दिया है। उन्होंने कहा है कि वह आने वाली 9 सितंबर को मुंबई आ रही हैं जो रोक सकता है तो रोक ले। कंगना अपने इस बयान से चर्चा में बनी हुई हैं। अब उन्हें गृह मंत्रालय ने वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी है। कंगना पहले से नेपोटिज्म पर निशाना साधती आई हैं। नेपोटिज्म के खिलाफ बोल और कठोर तब हो गए जब बॉलीवुड के उभरते हुए अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत की खबर आई। अब सुशांत डेथ केस में ड्रग्स एंगल भी जुड़ गया तो कंगना ने बॉलीवुड की पोल खोलकर रख दी। बॉलीवुड तो छोड़िए कंगना ने ड्रग्स एंगल में मुंबई के पुलिस कमिश्नर तक को नहीं छोड़ा। हाल में ही जब सड़क पर लगे एक पोस्टर में 'वॉक ऑफ शेम' लिखा था। साथ ही कंगना समेत कई लोगों की तस्वीर भी इस पोस्टर में थी। कंगना की नकारात्मक छवि बनाने वाले इस पोस्ट को मुंबई पुलिस कमिश्नर ने सोशल मीडिया पर लाइक किया तो कंगना भड़क गईं। ऐसे में कंगना कहां चुप रहने वाली थीं।

उन्होंने मुंबई पुलिस कमिश्नर को करारा जवाब दे डाला। कंगना ने अपने ट्वीट में लिखा 'मुंबई पुलिस कमिश्नर बुली और परेशान करने वाले लोगों के गिरफ्तार करने के बजाय उनके आपत्तिजनक पोस्टर को लाइक कर रहे हैं, मुंबई पुलिस को शर्म आनी चाहिए, ये लोग सुशांत के गुनहगारों को बढ़ावा दे रहे हैं।' बात यहां तक वैचारिक मतभेद की थी, तो मामला शांत था। मगर उन्होंने जैसे ही मुंबई को पीओके की संज्ञा दी, शिवसेना का मराठी प्रेम जाग उठा। उसके नेता संजय राउत ने सारी मर्यादा लांघकर बयानबाजी शुरू की। बात धमकी तक जा पहुंची। कंगना को संजय राउत ने मुंबई न आने की नसीहत दे डाली। कंगना ने ट्वीट किया 'शिवसेना सांसद संजय राउत ने मुझे धमकाया है, मुंबई नहीं आने की धमकी दी है, मुंबई की गलियों में पहले आजादी के नारे और अब धमकियां मिल रही है, मुंबई भी अब पीओके होता जा रहा है।'

संजय राउत कह रहे हैं कि कंगना जिस भाषा का इस्तेमाल किया उससे मुंबई पुलिस का अपमान हुआ है। यह हम बर्दाश्त नहीं करेंगे, मगर सवाल यह है कि क्या मुंबई पुलिस का अपमान वाकई कंगना ने किया है? कतई नहीं। कंगना या दूसरों को बोलने का मौका खुद उद्धव सरकार ने दिया है। पुलिस की फजीहत सरकार ने कराई है। बिहार पुलिस के आईपीए अफसर को क्वारंटीन करना हो या सुशांत केस की जांच को भटकाना हो, पूरा दोष पुलिस पर है। सरकार का दायित्व होता है कि जहां भी और जिस भी स्तर पर लापरवाही दिखे, उस पर एक्शन ले, मगर पुलिस अपनी मनमानी में लगी रही और सरकार शांत बैठी रही। उस मुंबई पुलिस की छवि को बट्टा लगाया गया, जो फिल्मी पर्दे पर गौरव महसूस कराती है। अब तो मुंबईकर भी कंगना के समर्थन में बोलने लगे हैं। इसलिए कंगना या दूसरों को दोष देने से पहले राउत अपने गिरेबां में झांके।

गंगा की स्वच्छता पर दें ध्यान

गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए करीब तीस साल पहले गंगा कार्ययोजना तैयार की गई थी। इस योजना के तहत अब तक अरबों रुपए खर्च किए जा चुके हैं पर स्थिति यह है कि गंगा दिन पर दिन गंदी ही होती गई है। मौजूदा सरकार ने गंगा नदी की सफाई के लिए एक अलग से मंत्रालय तक गठित किया। गंगा को राष्ट्रीय नदी का दर्जा दिया गया है। पर इसकी सफाई को लेकर सरकारें कितनी संजीदा हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एनजीटी के जवाब तलब करने पर राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन यानी एनएमसीजी ने हलफनामा दायर करके बताया कि उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल सरकारों ने समुचित जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई हैं, जिससे दूसरे और तीसरे चरण यानी कानपुर से बक्सर और फिर बक्सर से गंगासागर तक की कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार करने में काफी मुश्किलें आ रही हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने इसके लिए एनएमसीजी को फटकार लगाई है। इसके साथ ही उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि वे प्रमुख स्थलों पर गंगा जल की गुणवत्ता की जानकारी अब हर महीने सार्वजनिक करें।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण इस तरह की फटकार पहले भी कई मौकों पर लगा चुका है, मगर राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के कार्य-व्यवहार में किसी तरह का खास बदलाव नजर नहीं आया है। हालांकि, हरित अधिकरण ने अपने ताजा निर्देश में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि एनएमसीजी का गठन गंगा नदी के कायाकल्प के लिए ही किया गया है और राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के साथ समन्वय उसकी जिम्मेदारी है। अब उसे कोई टाल-मटोल नहीं सुननी। अगर अगले माह तीस अप्रैल तक गंगा कार्ययोजना की रूपरेखा पेश नहीं की गई तो वह सख्त कदम उठाने को भी बाध्य होगा। इसके लिए संबंधित दोषी राज्य सरकारों को पर्यावरण क्षति का भुगतान करना पड़ सकता है। देखना है, अधिकरण के इस सख्त रुख का राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों पर कितना और कैसा असर पड़ता है।

प्रयाग में कुंभ के दौरान गंगा नदी में मिलने वाली गंदगी को रोकने में बड़ी कामयाबी देखी जा चुकी है। हरित अधिकरण ने कहा है कि प्रयाग में आजमाए गए तकनीकी उपायों का अध्ययन कर इस अभियान में लगे विशेषज्ञों से भी परामर्श लिया जा सकता है। दरअसल, राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नदियों की सफाई को लेकर कभी गंभीर नहीं दिखे। इसमें उनके टाल-मटोल भरे रवैए की कुछ वजहें दूसरी भी हो सकती हैं। गंगा नदी की सफाई के लिए उन्हें न सिर्फ यह बताना होगा कि कहां-कहां किन स्रोतों से कचरा गंगा नदी में आकर मिलता है, बल्कि उन स्रोतों को बंद कराने में भी सक्रिय भागीदारी करनी होगी। छिपी बात नहीं है कि गंगा के प्रदूषित होने का एक बड़ा कारण शहरों के रिहायशी इलाकों से निकलने वाले जल-मल और औद्योगिक इकाइयों के रासायनिक कचरे को बिना शोधित किए गंगा नदी में गिरने देना है। औद्योगिक इकाइयों को कई बार निर्देश जारी किए जा चुके हैं कि वे बिना शोधन के औद्योगिक कचरा नदियों में न मिलने दें। इसी तरह शहरी जल-मल के शोधन के लिए जगह-जगह जल-मल शोधन संयंत्र लगाए जाने चाहिए। मगर बड़ी औद्योगिक इकाइयों की राजनीतिक और प्रशासनिक नजदीकी की वजह से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आंखें बंद किए रहते हैं। इसी तरह गंगा के तटों पर किए गए अतिक्रमण हटाने को लेकर मुश्किलें हैं। समझना मुश्किल है कि गंगा जैसी नदियों, जो लोगों की आस्था से जुड़ी हैं, उनमें कचरा मिलने से रोकना इतना मुश्किल क्यों बना हुआ है। यह काम काफी पहले हो जाना चाहिए था।

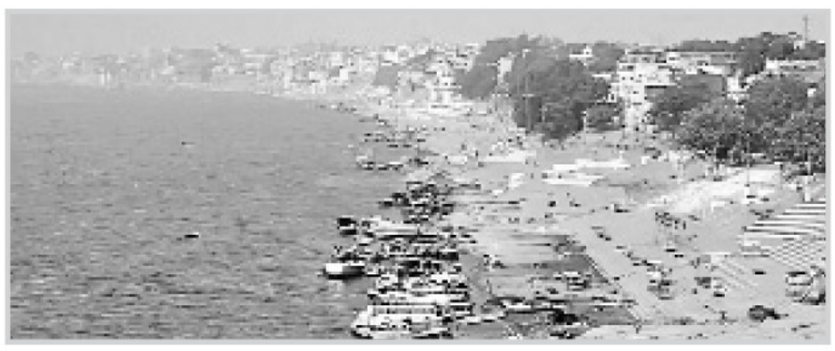

एनजीटी ने गंगा नदी की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि हरिद्वार से उत्तर प्रदेश के उन्नाव शहर के बीच गंगा का जल पीने और नहाने योग्य नहीं है। एनजीटी ने कहा था कि मासूम लोग श्रद्धा और सम्मान से गंगा का जल पीते हैं और इसमें नहाते हैं। उन्हें नहीं पता कि यह उनके स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। लॉकडाउन में जब नदियों का जल स्वच्छ हुआ तो यह कल्पना फिर जागृत हो गई कि हम जागरूकता दिखाएं तो नदियां निर्मल हो सकती हैं।

गंगा नदी की सफाई को लेकर राज्य सरकारें किस हद तक उदासीन हैं, इसका पता क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया' के एक सर्वे से चल जाता है। सर्वे के मुताबिक, देश के 97 में से 66 कस्बों का कम-से-कम एक नाला गंगा नदी में खुलता है। इनमें से 31 पश्चिम बंगाल में ही थे। गंगा की सबसे बुरी हालत पश्चिम बंगाल में है। पश्चिम बंगाल में गंगा से सटे करीब 40 कस्बों के 78 फीसदी नाले सीधे नदी में गिरते हैं। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है, जहां गंगा के किनारे स्थित 21 कस्बों के नाले का पानी गंगा नदी में गिरता है। यह सर्वेक्षण एक दिसंबर-2018 से शुरू किया गया था। इस सर्वे में मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर द्वारा फोकस किए गए चार प्राथमिकता वाली जगहों पर फोकस किया गया। सर्वे में सफाई तथा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस, ड्रेनेज सिस्टम और स्थानीय स्तर पर बने सॉलिड वेस्ट प्लांट को शामिल किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, गंगा बेसिन के केवल 19 कस्बों में एक में म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट प्लांट मौजूद था। 33 कस्बों के एक घाट पर ठोस कचरा मौजूद है। इसके अलावा 72 कस्बों में पुराने डंप साइट्स हैं। सर्वे में सामने आए ये सारे तथ्य बताते हैं कि अगर राज्य सरकारों ने गंभीरता दिखाई होती, तो गंगा नदी की यह हालत कतई न होती।

देखा जाए, तो देशभर में लगभग सभी नदियां इस समय गंदगी से प्रभावित हैं। नदियों में हर तरह का कूड़ा और गंदगी अभी भी डाली जा रही है। कहीं धर्म के नाम पर नदियों में रोज कुछ न कुछ डाला जा रहा है तो कहीं मौज में लीन लोग नदी में पिकनिक के दौरान कूड़ा डाल रहे हैं। वहीं राज्यों के सीवर का गंदा पानी भी अभी तक नदियों में जाने से नहीं रोका गया है। हालांकि, केंद्र सरकार नदियों को साफ करने के लिए कई तरह की परियोजना चला रही है। ऐसी ही एक परियोजना है नमामि गंगे जो भारत में पवित्र माने जाने वाली नदी गंगा की सफाई के लिए शुरू की गई। इस परियोजना के लिए सरकार बड़ी धनराशि भी खर्च कर रही है। लेकिन फिर भी गंगा की सेहत सुधरने की बजाय बिगड़ रही है। पिछले साल ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के एनजीओ वर्ल्ड वाइड फंड यानी डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ने गंगा को दुनिया की सबसे संकटग्रस्त नदी बता दिया। हालांकि, यह गंगा में बढ़ती गंदगी के कारण नहीं कहा गया है।

एनजीओ ने कहा कि गंगा विश्व की सबसे अधिक संकटग्रस्त नदी इसलिए कही जा रही है क्योंकि सभी दूसरी भारतीय नदियों की तरह गंगा में भी लगातार पहले बाढ़ और फिर सूखे की स्थिति पैदा हो रही है। एक अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा दिया गया गंगा के लिए ऐसा बयान सरकार के लिए बेहद बड़ा झटका है। एक रिपोर्ट के मुताबिक गंगा नदी में सबसे ज्यादा गंदगी ऋषिकेश से जाती है। वहां गंगा किनारे लगातार बस्तियां बसाई जा रही। वहां बसाई गई बस्तियों चन्द्रभागा, मायाकुंड, शीशम झाड़ी में शौचालय भी नहीं हैं। यही कारण है कि वहां की सारी और हर तरह की गंदगी गंगा में मिल रही है। वहीं कानपुर की ओर 400 किमी उलटा जाने पर भी गंगा नदी की दशा बेहद खराब है।

पिछले साल ही राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने गंगा नदी की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि हरिद्वार से उत्तर प्रदेश के उन्नाव शहर के बीच गंगा का जल पीने और नहाने योग्य नहीं है। एनजीटी ने कहा था कि मासूम लोग श्रद्धा और सम्मान से गंगा का जल पीते हैं और इसमें नहाते हैं। उन्हें नहीं पता कि यह उनके स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। यह टिप्पणी हमारी सरकारों की आंख खोलने के लिए काफी है।

ट्विटर

संजय राउत ने कंगना को लेकर जिस भाषा का इस्तेमाल किया है, वह सही नहीं है। यह महिलाओं का अपमान है। जिसे हरगिज बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

रेणुका शहाणे, अभिनेत्री

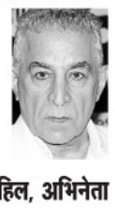

कंगना आज बॉलीवुड पर ड्रग्स का आरोप लगा रही हैं, अगर वे खुद को पाक-साफ बताती हैं तो एक बार अपना टेस्ट कराके देख लें। कुछ सब सामने आ जाएगा।

दिलीप ताहिल, अभिनेता

सत्यार्थ

अहंकार का त्याग

एक बार संत ज्ञानेश्वर, नामदेव और मुक्ताबाई तीर्थाटन पर निकले। तीनों अपनी यात्रा के दौरान प्रसिद्ध संत गोरा के यहां पहुंचे। गोरा ने इन तीनों महान संतों को अपने निवास पर पाकर उनका आत्मीय स्वागत किया। जलपान के उपरांत चारों में धर्म और दर्शन के गूढ़ संदर्भों पर चर्चा चली। गोरा कुम्हार थे, इस लिए उनके घर में एक डंडा रखा था। मुक्ताबाई ने डंडे को देखा, तो उसके उपयोग के बारे में पूछा। गोरा ने उत्तर दिया- मैं जब घड़े बनाता हूं, तो इस डंडे की चोट से परीक्षण करता हूं कि घड़े पक्के हैं या

कच्चे रह गए हैं। मुक्ताबाई ने मुस्कराते हुए पूछा- हम भी तो मिट्टी के घड़े ही हैं, क्या इस डंडे से हमारी परीक्षा हो सकती है? गोरा ने कहा- क्यों नहीं? तीनों संतों की सहमति से गोरा ने डंडे से उनका परीक्षण शुरू किया। पहले उन्होंने ज्ञानेश्वर के सिर पर हल्के से डंडा मारा, फिर मुक्ता बाई के सिर पर। दोनों मुस्करा दिए। फिर नामदेव की बारी आई। गोरा ने डंडे से जैसे ही उनके सिर पर स्पर्श किया, तो देखा कि नामदेव के चेहरे पर क्रोध की बारीक सी झलक है। गोरा तुरंत समझ गए कि नामदेव ज्ञान के उच्च धरातल पर अभी नहीं पहुंचे हैं। उन्होंने नामदेव की ओर इशारा कर कहा कि यह घड़ा अभी कच्चा है, एक पल के लिए सन्नाटा छा गया। तभी गोरा ने विनम्रता के साथ कहा- क्षमा करें, मगर जब आपके सिर पर डंडे का स्पर्श किया, तो चेहरे पर क्रोध की झलक दिखाई दी। इसका अर्थ है कि अभी कुछ बाकी है। यह अहंकार ही है, कुछ और नहीं। जब तक अहंकार समाप्त नहीं होगा, डंडे से मुस्कान पैदा नहीं होगी, क्रोध ही पैदा होगा। नामदेव को बोध हुआ और उन्होंने संत बिठोबा से दीक्षा लेकर अहंकार को सदा के लिए समाप्त कर दिया।

मेट्रो शुरू

हैदराबाद में कोविड-19 के प्रकोप के कारण पांच महीने के निलंबन के बाद सोमवार से मेट्रो के फिर से शुरू होने से ट्रेन पटरियों पर दौड़ने लगी।

भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार

अब पटरियों पर दौड़ेंगी क्लोन ट्रेनें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोविड 19 के हालात जैसे-जैसे सामान्य हो रहे हैं परिवहन और आर्थिक गतिविधियां पटरी पर लौटने लगी हैं। भारतीय रेल भी धीरे-धीरे सामान्य परिचालन की ओर कदम बढ़ा रही है। पटरियों पर यात्री ट्रेनें लौटने लगी हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए भारतीय रेलवे ने क्लोन ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। रेलवे उन रूटों पर क्लोन ट्रेनें चलाएगी, जिसमें यात्रियों का भार ज्यादा है। यानी उन रूटों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिसमें वेटिंग लिस्ट लंबी है।

भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार क्लोन ट्रेनें पटरियों पर दौड़ेंगी। ये क्लोन ट्रेन मौजूदा विशेष ट्रेनों की ही क्लोन होंगी। इन ट्रेनों की गति अपेक्षाकृत अधिक तेज होगी। इन ट्रेनों का स्टॉपेज सीमित होगा। सीमित स्टॉपेज रखने के पीछे मकसद है कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक तेजी से पहुंचाया जा सके। स्पेशल ट्रेनों के क्लोन के रूप में चलाए जा रही इन ट्रेनों में 3 श्रेणी के एसी कोच को प्राथमिकता दी जाएगी। मौजूदा विशेष मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की तुलना में इन क्लोन ट्रेन की स्पीड ज्यादा होगी।

मुसाफिरों के सामने होगा ये विकल्प

ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट को ध्यान में रखते हुए रेलवे यात्रियों को विकल्प देगी। कुछ चुनिंदा स्टेशनों के लिए यात्रा कर रहे मुसाफिरों को विकल्प मिलेगा कि वे चाहे तो क्लोन ट्रेन से सफर कर सकते हैं। प्रतीक्षा सूची में रहे यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने के लिए क्लोन ट्रेन का ऑफर होगा।

लॉकडाउन के बाद बदला ट्रेनों के परिचालन का तरीका

लॉकडाउन के बाद पैसेंजर ट्रेनों के परिचालन में बड़ा बदलाव देखने को मिला। लॉकडाउन में लाखों की संख्या में फंसे यात्रियों को उनके घर तक पहुंचाने के लिए एक मई से श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। 12 मई से 15 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू किया गया। एक जून से 100 जोड़ी स्पेशल मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जा रही हैं। रेलवे ने हाल ही में घोषणा की है कि 12 सितंबर से 40 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

न्यूज

भौरों ने किया एक परिवार पर हमला, दो की मौत, 7 घायल

सोनभद्र, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में सरायपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेमरिया गांव में भौरों के काटने से दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं, सात लोग बुरी तरह से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वाले दो लोगों में दादा-नाती बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा बनाकर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। रोहित लाल दस वर्षों से सेमरिया गांव में जमीन खरीदकर घर बनाकर रहते थे। रविवार को इनकी बेटी प्रतिभा देवी और दामाद कृष्ण कुमार आ गए और नगवां बांध घूमने की इच्छा जाहिर की। रोहित लाल सपरिवार घूमने गए थे। रास्ते में बिछिया के जंगल के पास पहुंचे तो अचानक भौरों ने हमला कर दिया। इसकी वजह से सभी लोग बुरी तरह से घायल हो गए।

गांधी जयंती तक 1000 उत्पाद मिल सकेंगे खादी के पोर्टल पर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती दो अक्टूबर तक अपने पोर्टल पर कम से कम एक हजार उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को यहां बताया कि खादी का पोर्टल सात जुलाई को मात्र मास्क की बिक्री के साथ शुरू किया गया था, जिसने थोड़े समय में ही देशभर में अपनी उपस्थिति दर्ज की है। उन्होंने बताया कि फिलहाल पोर्टल पर 180 खादी उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध हैं और चार हजार से ज्यादा लोगों ने खरीदारी की है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन कम से कम और दस उत्पाद पोर्टल पर बिक्री के लिए रखे जा रहे हैं और दो अक्टूबर पर पोर्टल पर उपलब्ध उत्पादों की संख्या 1000 को पार कर जाएगी। इनमें वस्त्र, खाद्य पदार्थ, औषधि और सौंदर्य प्रसाधन शामिल हैं।

बिहार विस चुनाव को टालने सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रवादी जनता पार्टी (राजपा) ने इस साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को टालने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से चुनाव आयोग को बिहार चुनाव टालने का निर्देश देने की मांग की गई है। पार्टी ने इसके पीछे कोरोना महामारी और बाढ़ की गंभीर स्थिति का हवाला दिया है। राजपा ने याचिका में सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि वह चुनाव आयोग को बिहार चुनाव अगले साल मार्च में कराने का निर्देश दे। बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर-नवंबर के महीने में हो सकते हैं। राष्ट्रवादी जनता पार्टी ने यह याचिका अपने अध्यक्ष अनिल भारती के जरिए दायर की है। याचिका में निर्वाचन आयोग के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय, राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग को प्रतिवादी बनाया गया है।

सामने आई आईएसआई और पाकिस्तानी सेना की सांठगांठ

आतंकवादी सैयद सलाहुद्दीन की कार की नंबर प्लेट से हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन का सरगना सैयद सलाहुद्दीन को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। पाकिस्तान सरकार और पाकिस्तानी सेना के अलावा आईएसआई भी आतंकी संगठन के सरगना को शह दे रही है। वहीं यह खुलासा यूं भी चौंकाने वाला है, क्योंकि एक तरफ तो पाकिस्तान फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) में आतंकी संगठनों पर लगाम कसने की बात कह रहा है और दूसरी तरफ आतंकी संगठन के मुखिया को आईएसआई से प्रमाणित यानी आईएसआई का अफसर बताया है।

कार का नंबर आईडीएल 8290 : हिजबुल सरगना सैयद सलाहुद्दीन की एक पुरानी सड़क रैली की कुछ फोटोग्राफ सामने आए हैं। इन फोटोग्राफ्स में वह काले रंग की टोयोटा लैंड क्रूसियर गाड़ी में सवार है और उसे आतंकियों और आईएसआई के एजेंट्स ने घेरा हुआ है। वहीं इस फोटो में आसपास बाइक्स पर चल रहे लोग काले रंग मास्क पहने नजर आ रहे हैं। गौर करने वाली बात यह है कि आईडीएल 8290 नंबर की यह टोयोटा कार इस्लामाबाद में रजिस्टर्ड है।

वीआईपी लोगों को मिलती है यह नंबर प्लेट: वहीं यह गाड़ी सैयद सलाहुद्दीन की पुरानी गाड़ी है, जो कि बुलैट प्रूफ है, लेकिन खास बात है इस गाड़ी की नंबर प्लेट। इस गाड़ी पर काले रंग की नंबर प्लेट लगी है। यह खास नंबर प्लेट केवल पाकिस्तान में वीआईपी लोगों को ही जारी की जाती है। प्रधानमंत्री इमरान खान

की टोयोटा पर भी काले रंग नंबर प्लेट लगी है, जिसका नंबर एलईई-1 है। इसका अलावा एक और वीआईपी शख्स की बीएमडब्ल्यू कार पर भी काले रंग की नंबर प्लेट लगी है जिसका नंबर एलई 4114 है।

पाकिस्तानी सेना की गाड़ी: वहीं असली राज इस काले रंग की नंबर प्लेट में ही छुपा है, जिससे पता चलता है कि कैसे पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी पाकिस्तान में आतंकियों को सरंक्षण दे रही है। दरअसल पाकिस्तान में कार रजिस्ट्रेशन का नियम यह है कि पाक सरकार की आधिकारिक गाड़ियां ग्रीन प्लेट वाली होती हैं, जिन पर सफेद रंग से अक्षर लिखे होते हैं। वहीं विदेशी राजनयिकों की गाड़ियों की नंबर प्लेट लाल होती है, जिस पर सफेद रंग से अक्षर लिखे जाते हैं। वहीं पाकिस्तानी सेना/पुलिस के सिविल व्हीकल्स की नंबर प्लेट काले रंग की होती है, जिस पर सफेद रंग से अक्षर और नंबर्स लिखे जाते हैं। वहीं आम नंबर प्लेट्स सफेद रंग की होती हैं, जिन पर काले रंग से अक्षर लिखे होते हैं।

बेरोकटोक घूमने की आजादी

सैयद सलाहुद्दीन के बारे में दूसरा खुलासा हुआ है। इस खुलासे से पता चलता है कि कई निर्दोष लोगों की मौत के जिम्मेदार आतंकी सलाहुद्दीन को आईएसआई का अधिकारी बताया है। वहीं इस खुलासे में यह भी पता चलता है कि सलाहुद्दीन का एक और नाम सैयद मोहम्मीद युसुफ शाह भी है। यह पत्र जारी करते हुए डायरेक्टर/कमांडिंग ऑफिसर वजाहत अली खान (डायरेक्टोरेट ऑफ इंटेलिजेंस) ने जारी करते हुए लिखा है कि यह प्रमाणित है कि सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह, इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई, इस्लामाबाद) के साथ काम कर रहे हैं। वह इस विभाग के अधिकारी हैं। सलाहुद्दीन के वाहन का विवरण साझा करते हुए निर्देश है कि उन्हें सुरक्षा की मंजूरी दे दी गई है और अनावश्यक रूप से रोका नहीं जाना चाहिए।

2013 में रजिस्टर्ड

खास बात यह है कि इस पत्र में जिस गाड़ी के बारे में बताया गया है वह टोयोटा लैंड क्रूसियर ब्लैक वी-8 है जो 2013 की रजिस्टर्ड है। इसका इंजन नंबर 2यू जेड-एफई-4643 है और रजिस्ट्रेशन नंबर आईडीएल-5577 है। इस पत्र में यूसुफ शाह को हिजबुल मुजाहिदीन का अमीर यानी मुखिया बताया गया है। सैयद सलाहुद्दीन का एक नाम सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह भी है, उसके लिए जारी किया पत्र 31 दिसंबर, 2020 तक मान्य है। वहीं यह पत्र 20 सितंबर 2019 को जारी हुआ है।

यूपी की योगी सरकार ने कसा मुख्तार-अतीक पर शिकंजा

एक की गाड़ियां जब्त दूसरे के मकान पर चली जेसीबी

लखनऊ, (एजेंसी)। योगी सरकार माफिया अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी पर लगातार शिकंजा कसती जा रही है। दोनों के अवैध मकानों पर बुल्डोजर चल रहा है। वहीं बिना नियम के चल रही गाड़ियों भी जब्त की जा रही हैं। इतना ही नहीं इनके गैंग के भी अवैध कारोबार को पुलिस बंद करा रही है।

प्रयागराज में पूर्व सांसद अतीक अहमद की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। प्रशासन एक के बाद उसके कब्जे वाले अवैध निर्माणों पर जेसीबी चल रहा है और जमीनों को मुक्त करा रहा है। पीडीए, जिला प्रशासन और पुलिस ने सोमवार को संयुक्त कार्रवाई में सिविल लाइंस के नवाब यूसुफ रोड स्थित एक भवन पर जेसीबी चलाकर अवैध निर्माण जमींदोज कर दिया। यह भवन नजूल की भूमि पर बना था और इस पर अतीक अहमद का कब्जा था। पीडीए के जोनल अधिकारी शत शुक्ला, एके पांडेय के नेतृत्व में जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम सोमवार को नवाब यूसुफ रोड पर पहुंची। नापजोख के के बाद भवन पर जेसीबी चलाई। अतीक अहमद ने 500 वर्ग गज नजूल की भूमि पर कब्जा कर अपने करीबी को दो लाख रुपए माह के किराए पर दे दी थी। अतीक का करीबी रेस्टोरेंट संचालक था, जो इसका इस्तेमाल कारखाने के रूप में करता था। अतीक अहमद ने पूर्व में जमीन को फ्री होल्ड करने के लिए डीएम कार्यालय में आवेदन किया था, जिसे नामंजूर कर दिया था।

वसूली गैंग डी-34 का सदस्य है सुरेश सिंह

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सोनकर ने बताया कि मुख्तार अंसारी अवैध वसूली गैंग का सहयोगी वसूली माफिया सुरेश सिंह वसूली गैंग डी-34 का सदस्य है। साथ ही मऊ जिले में वसूली माफिया के रूप में चिन्हित है। इसके खिलाफ थाना सरायलखंसी पुलिस द्वारा 31 मई को गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी तथा वह वर्तमान समय में जेल में निरुद्ध है।

मुख्तार अंसारी अवैध वसूली गैंग के 10 वाहन जब्त

उधर मऊ में सोमवार को बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी अवैध वसूली गैंग के सहयोगी वसूली माफिया सुरेश सिंह के 10 वाहन जब्त किए। इसकी कीमत एक करोड़ 69 लाख 65 हजार बताई गई। अब तक मुख्तार अवैध वसूली गैंग के सहयोगी के 3 करोड़ 60 लाख 95 हजार कीमत के 23 वाहन जब्त किए जा चुके हैं। मुख्तार के सहयोगी के रूप में चिन्हित वसूली माफिया सुरेश सिंह निवासी भीटी थाना कोतवाली की ओर से अवैध रूप से बनाए गए 10 बड़े वाहनों को जब्त कर लिया। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सोनकर ने बताया कि जब्त वाहनों में 23 लाख कीमत की तीन बस, 26 लाख कीमत की बस, 13 लाख की कार, स्कूटर समेत अन्य वाहन हैं।

सबसे बड़ा सौर वृक्ष बिना धूप के भी पैदा करेगा बिजली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की दुर्गापुर स्थिति प्रयोगशाला ने दुनिया का सबसे बड़ा सौर वृक्ष तैयार किया है। यह वृक्ष एक छोटे गांव की बिजली की बुनियादी जरूरतों की पूर्ति करने में सक्षम है। इसकी खूबी यह है कि आकाश में यदि बादल हों तो यह ठप नहीं होता है, बल्कि थोड़ी कम बिजली पैदा करेगा।

10-12 टन कार्बन उत्सर्जन रोकने में भी सक्षम

सेंट्रल मैकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने आवासीय कॉलोनी में इसे स्थापित किया है। इस वृक्ष में 35 सौर पैनल लगे हैं, जिनकी क्षमता 11.5 किलोवाट पीक की है। यानी 40-46 यूनिट बिजली पैदा करता है। यदि बारिश का मौसम हो और धूप नहीं आ रही हो, लेकिन वातावरण में गर्माहट हो तो भी यह सौर वृक्ष आधी क्षमता से काम करता है। सीएमईआरआई के निदेशक डॉ. हरीश हिरानी ने कहा कि यह सौर वृक्ष दुनिया का सबसे बड़ा सौर वृक्ष है तथा इसकी ऊंचाई न्यूनतम सात फुट और अधिकतम 13 फुट है। इसे इस प्रकार से बनाया गया है कि इसके पैनल ज्यादा से ज्यादा सूर्य का प्रकाश हासिल कर सकें।

रेलवे स्टेशन उड़ाने की धमकी की सूचना के बाद सुरक्षा बढ़ाई

हिसार, (एजेंसी)। हरियाणा के रेलवे स्टेशन उड़ाने की कथित धमकी की सूचना मिलने के बाद स्टेशनों पर और ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बीकानेर डिवीजन से आरपीएफ को पत्र भेजा गया, जिसमें बताया कि पाक के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े कुछ आतंकी राजस्थान नंबर की कार में घूम रहे हैं और वह किसी भी स्थान पर ब्लास्ट कर सकते हैं। आरपीएफ थाना प्रभारी बीरबल कुमार ने बताया कि दो दिन पहले आरपीएफ को जीआरपी के जरिए एक पत्र मिला है, जिसमें कहा गया है कि एक अनजान महिला ने हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर बताया कि उन्होंने कुछ युवकों को आपस में इस आशय की बातें करते सुना कि हरियाणा के रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाना है। महिला कौन थी, पता नहीं लग सका है।

महाराष्ट्र विप के उपसभापति पद के लिए चुनाव आज

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधान परिषद के उपसभापति के लिए चुनाव मंगलवार को कराया जाएगा। राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को विधान परिषद के सभापति रामराजे नाइक निंबालकर ने इसकी घोषणा की। विपक्षी भाजपा ने हालांकि कोविड-19 संकट को देखते हुए चुनाव स्थगित करने का आह्वान किया।

भाजपा ने की चुनाव स्थगित करने की मांग

सभापति ने सदन में कहा कि सदस्यों को पता है कि महत्वपूर्ण पद खाली है। इसके लिए मंगलवार को चुनाव होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए नामांकनों की जांच सोमवार को शाम पांच बजे की गई। परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दारेकर ने कहा कि चुनाव को स्थगित कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने कहा था (कार्य मंत्रणा समिति की एक बैठक में) कि कोरोना संकट के कारण इस समय चुनाव नहीं कराना चाहिए। आप देख सकते हैं कि कई सदस्य आज सदन में मौजूद नहीं हैं। ऐसे सभी सदस्य अपने अधिकारों से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के मद्देनजर सभी स्थानीय शासी निकाय के चुनाव भी स्थगित कर दिए गए हैं। भाजपा नेता ने कहा कि हम यह चुनाव भी स्थगित कर सकते हैं। जबकि सभापति ने कहा कि चुनाव का समय निर्धारित करना उनका विशेषाधिकार है।

ज्वाला गुट्टा को जन्मदिवस पर बॉयफ्रेंड एक्टर विष्णु विशाल ने पहनाई इंगेजमेंट रिंग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बैडमिंटन स्टार ज्वाला गुट्टा ने अपने फैंस को एक जबरदस्त सरप्राइज दिया है। ज्वाला और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार विष्णु विशाल ने सगाई कर ली है और उनकी इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर आते ही हंगामा मचा दिया है। इस साल की शुरुआत में ही दोनों ने अपने रिश्ते को जगजाहिर कर दिया था। इसके बाद अक्सर जोड़ी साथ नजर आती रही थी, किंतु सोमवार को ज्वाला के जन्मदिन पर ही इन दोनों ने अपने रिश्ते पर सगाई की मुहर लगा दी।

बैडमिंटन स्टार को मिला सरप्राइज

ज्वाला ने बताया कि उनकी सगाई पिछली रात को हुई है और उन्हें ये सरप्राइज के तौर पर मिला है। तमिल की कई सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रह चुके एक्टर विष्णु विशाल ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में की थी। विष्णु की शादी साल 2011 में रजनी नटराजन से हुई थी, लेकिन बाद में दोनों में अलग हो गए। वहीं, ज्वाला गुट्टा की भी शादी बैडमिंटन खिलाड़ी चेतन आनंद के साथ हुई थी, लेकिन आपसी मतभेद के कारण दोनों एक दूसरे से अलग हो गए थे।

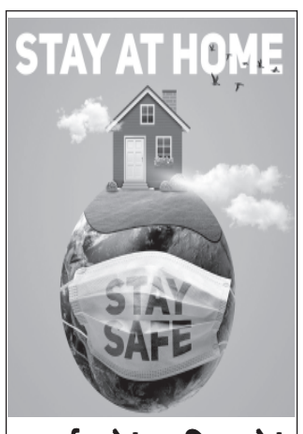

सतर्क रहे! सुरक्षित रहे!
कोरोना वायरस से
सावधान रहे
क्योंकि सावधानी
ही बचाव हैं।
कोरोना को धोना हैं।

पाक लड़की के दावे ने सोशल मीडिया पर मचा दी हलचल

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को बताया पिता

लाहौर, (एजेंसी)। पाकिस्तान हमेशा से ही किसी ना किसी अप्रिय वजह से लाइमलाइट में रहता है। एक बार फिर से पाकिस्तान सुर्खियों में हैं। इस बार वजह सीजफायर का उल्लंघन करना या फिर किसी झूठे बयान की वजह से चर्चा में नहीं, बल्कि एक दावे की वजह से है। ये दावा पाकिस्तान की एक लड़की ने किया है, जो इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं। अपने इस दावे में पाक लड़की ने कहा है कि वो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेटी है। पाक लड़की ने ये बात मीडिया से बातचीत के दौरान कही।

इस लड़की ने दावा किया है कि डोनाल्ड ट्रंप इसके पिता है और वो उनसे मिलना चाहती है। इस लड़की ने कहा कि मैं सबको बताना चाहती हूं कि मैं डोनाल्ड ट्रंप की बेटी हूं। डोनाल्ड ट्रंप हमेशा मेरी मां को कहते थे कि तुम लापरवाह हो। तुम मेरी बच्ची की देखभाल अच्छे से नहीं करती। जब मेरे माता-पिता की लड़ाई हुई थी, तब मैं बहुत दुखी थी, लेकिन अब मैं अपने पिता से मिलने के लिए बेताब हूं। इस लड़की के दावे के बाद लोग मजाक भी उड़ा रहे हैं। उनका कहना है कि ये सब पाकिस्तान जैसे देश से ही संभव है। फिलहाल ये लड़की अपने दावे की वजह से चर्चा में बनी हुई है।

पहल कोरोना वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र बाल कोष गंभीर

यूनिसेफ करेगा दुनियाभर में आपूर्ति का नेतृत्व

वाशिंगटन, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में वैक्सीन उपलब्ध होने के बाद संभवतः अपनी तरह के सबसे बड़े और तेज अभियान में संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) कोरोना वायरस के टीकों की खरीद और आपूर्ति की अगुवाई करता नजर आएगा। इस अभियान के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जब यह टीका उपलब्ध हो तो सभी देशों को सुरक्षित, तेजी से और उचित रूप से टीके की प्रारंभिक खुराकें हासिल हो सके।

यूनिसेफ दुनिया का सबसे बड़ा एकल टीका खरीदार है, जो सालाना 100 देशों की ओर से नियमित टीकाकरण और संक्रमण रोकने के लिए दो अरब से ज्यादा टीकों की खरीद करता है। यूनिसेफ, रिवॉवल्विंग फंड ऑफ द पैन अमेरिका हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (पीएएचओ) के सहयोग से कोविड-19 टीकों की खरीद और खुराक की आपूर्ति कोवैक्स ग्लोबल वैक्सिन फैसिलिटी की तरफ से 92 निम्न और निम्न मध्यम आय वाले देशों के लिए करेगा।

खरीद समन्वयक के रूप में भी काम करेगा संगठन

यूनिसेफ ने बताया कि यह संगठन 80 उच्च आय वाले देशों की खरीद को समर्थन देने के लिए खरीद समन्वयक के रूप में भी काम करेगा। इन देशों ने कोवैक्स फैसिलिटी में हिस्सा लेने का इरादा जाहिर किया है और ये सभी अपने बजट से टीके का प्रबंध करेंगे। टीके की खरीद और वितरण प्रयास में 170 से ज्यादा देश शामिल हैं और यह अपनी तरह का दुनिया का सबसे बड़ा और तेज अभियान हो सकता है। यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक हेनरिटा फोर ने कहा कि यह सरकारों, उत्पादनकर्ताओं और बहुपक्षीय सहयोगियों के बीच साझेदारी के जरिए कोविड-19 महामारी के खिलाफ बड़ी लड़ाई जारी रखने का हिस्सा है।

विभिन्न सहयोगियों के साथ मिलकर होगा काम

यूनिसेफ यह प्रयास विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), गावी द वैक्सिन अलायंस, द कॉलिशन फॉर एपिडेमिक प्रिपेयर्डनेस इनोवेशन (सीईपीआई), पीएएचओ, विश्व बैंक, द बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर करेगा। कोवैक्स फैसिलिटी दुनिया के हर देश के लिए खुली है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी देश भविष्य में कोविड-19 का टीका हासिल करने से वंचित न रह जाए।

स्वास्थ्य मंत्री द्वारा 16 करोड़ की लागत से तैयार किये तीन नये कम्युनिटी स्वास्थ्य केंद्र जालंधर को समर्पित

कम्यूनिटी स्वास्थ्य केन्द्रों में 80 बैड पाईप के द्वारा आक्सीजन सप्लाई के साथ किये पूरी तरह लैस

■ चंडीगढ़/जालंधर/रवि

मैडीकल बुनियादी ढांचे को मज़बूत करके कोविड के बढ़ रहे मामलों का प्रभावशाली ढंग से मुकाबला करने के लिए की जा रही तैयारियों के मद्देनज़र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री स. बलबीर सिंह सिद्धू की तरफ से आज 16 करोड़ रुपए की लागत से दादा कालोनी, बस्ती गुजां और खुरला किंगरा में तैयार किये गए तीन नये कम्युनिटी सैंटर कोविड -19 के स्तर -2 के मरीज़ों के इलाज के लिए समर्पित किये गए।

इन तीनों कम्युनिटी सैंटरों में 80 बैड मौजूद हैं जिनमें 30 बैड दादा कालोनी, 30 बैड बस्ती गुजां और 20 बैड खुरला किंगरा कम्युनिटी सैंटर में उपलब्ध हैं जोकि सभी पाईप के द्वारा ऑक्सीजन सप्लाई की सुविधा के साथ पूरी तरह लैस हैं।

इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री पंजाब, जिनके साथ सांसद चौधरी संतोख सिंह, विधायक श्री प्रगट सिंह, श्री सुशील कुमार रिंकू, श्री राजिन्दर बेरी, श्री अवतार सिंह जूनियर बावा हेनरी, श्री हरदेव सिंह लाडी शोरोवालिया, डिप्टी कमिशनर श्री घनश्याम थोरी, पुलिस कमिशनर श्री गुरप्रीत सिंह भुल्लर, मेयर श्री जगदीश राज राजा और अन्य भी शामिल थे, ने कहा कि कैप्टन अमरिन्दर सिंह मुख्यमंत्री पंजाब के नेतृत्व वाली रा%य सरकार कोविड के बढ़ रहे

मामलों के साथ निपटने के लिए वचनबद्ध है और इन तीन नये कम्युनिटी स्वास्थ्य केन्द्रों के शुरू हो जाने से कोविड -19 के स्तर -2 के मरीज़ों के लिए बैडों के सामर्थ्य में विस्तार होने से इनकी संख्या 364 हो गई है, जबकि पहले सिविल अस्पतालों में यह संख्या 284 बैड थी। श्री सिद्धू ने कहा कि इन तीनों कम्यूनटी स्वास्थ्य केन्द्रों में मौजूद 80 बैडों को पाईप के द्वारा ऑक्सीजन सप्लाई के साथ लैस किया गया है जोकि कोविड के मरीज़ों के इलाज के लिए प्राथमिक ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि इन स्वास्थ्य केन्द्रों की तरफ से कोविड -19 के ख़िलाफ़ जंग में अहम भूमिका निभाई जायेगी।

इस मौके पर लोगों से अपील करते हुये श्री सिद्धू ने कहा कि कोविड -19 के लक्षणों को हलके में न लिया जाये और जब भी इस बीमारी सम्बन्धी कोई लक्षण दिखाई दें तो तुरंत नज़दीक की स्वास्थ्य संस्था के साथ संपर्क करने के अलावा कोविड टैस्ट करवाने को यकीनी बनाया जाये जिससे बीमारी को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि लोगों की तरफ से देरी से डाक्टर के

कोविड के स्तर -2 के मामलों में निभाएंगे अहम भूमिका

साथ संपर्क किया जाता है, तो उनकी हालत बहुत बिगड़ जाती है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार के पास इस महामारी से निपटने के लिए फंडों और साधनों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस महामारी से लोगों की कीमती जानें बचाने की तरफ विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसके लिए हम सब को मिल कर प्रयास करने की ज़रूरत है। कोरोना वायरस महामारी की आड़ में मानवीय अंगों की तस्करी और मुनाफ़ाखोरी सम्बन्धी गलत अफ़वाहें फैलाने वालों को सख़्त चेतावनी देते हुये श्री सिद्धू ने कहा कि इस सम्बन्धी पुलिस विभाग को हिदायतें दी गई हैं कि ऐसे शरारती अनसरों के ख़िलाफ़ सख़्त से सख़्त कार्यवाही की जाये।

श्री सिद्धू ने कहा कि पंजाब सरकार की तरफ से कोविड -19 के सक्रिय मरीज़ों और घरों में एकांतवास हुए लोगों को 50,000 मुफ़्त कोविड केयर किटें मुहैया करवाई जाएंगी।

उन्होंने बताया कि इन किटों में ऑकसीमीटर, डिजिटल थर्मामीटर, फेस मास्क और ज़रूरी दवाएँ मौजूद होंगी।

श्री सिद्धू ने कहा कि जालंधर की टीम की तरफ से नोवेल कोरोना वायरस के मुकाबले के लिए बहुत ही प्रभावशाली ढंग से ड्यूटी निभाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यह यत्न तब तक जारी रहने चाहिएं, जब तक कोरोना वायरस पूरी तरह ख़त्म नहीं हो जाता।

उन्होंने बताया कि सहूलतें जैसे कि ऑपरेशन थियेटर, ऐमरजंसी वार्ड, डिस्पेंसरी, फीमेल और मेल वार्ड, एलिवेटर और अन्य मुहैया करवाई गई हैं। इस मौके पर पंजाब हैल्थ सिस्टम कोरपोशन के उप-चेयरमैन श्री बोबी सहगल, डिप्टी मेयर श्री हरसिमरनजीत सिंह बंटी, उप-मंडल मैजिस्ट्रेट श्री राहुल सिंधु, डा. जय इन्द्र सिंह, सिविल सर्जन डा.गुरिन्दर कौर चावला, डिप्टी मैडीकल कमिशनर डा. %योति, सीनियर मैडीकल अफ़सर डा.कशमीरी लाल, डा.जगदीश कुमार, कार्यकारी इंजीनियर पंजाब हैल्थ सिस्टम कोरपोशन श्री सुखचैन सिंह और अन्य भी उपस्थित थे।

प्राईवेट अस्पतालों /क्लीनिकों /लैबों को कोविड-19 के लिए रैपिड एंटीजेन टैस्ट करने की मंजूरी

■ चंडीगढ़/ब्यूरो

कोरोना महामारी के फैलाव को रोकने के लिए कोरोना पॉजिटिव मरीज़ों की समय पर पहचान के लिए लोगों की अधिक से अधिक जांच करने के मद्देनज़र पंजाब सरकार द्वारा ज़िला स्वास्थ्य अथॉरिटी के द्वारा सूचीबद्ध होने के उपरांत निजी अस्पतालों / क्लीनिकों /लैबों को कोविड-19 के लिए रैपिड एंटीजेन टैस्ट (आर.ए.टी.) करने की आज्ञा देने का फ़ैसला किया गया है।

आज यहाँ जारी प्रैस बयान में जानकारी देते हुये स्वास्थ्य मंत्री स. बलबीर सिंह सिद्धू ने बताया कि निजी स्वास्थ्य अदारों की तरफ से कोविड -19 के लिए रैपिड एंटीजेन टैस्ट की आज्ञा देने सम्बन्धी रा%य के समूह डिप्टी कमिशनरों और सिविल सर्जनों को दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं। उन्होंने कहा कि विभाग की तरफ से आर.ए.टी. किटे मुफ़्त दीं जाएंगी। सिविल सर्जन उन प्राईवेट अस्पतालों / क्लीनिकों/लैबों को सूचीबद्ध करेंगे जो विभाग की तरफ से मुफ़्त मुहैया करवाई गई आर.ए.टी. किटें के साथ टैस्ट करने के लिए स्वैच्छिक तौर पर सूचीबद्ध होने के लिए तैयार हैं।

निजी लैबें मरीजों के विवरणों को गुप्त रखेंगीं

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यदि किटें स्वास्थ्य विभाग के द्वारा मुहैया करवाई गई हों तो निजी अस्पताल /लैब मरीजों से टैस्ट के लिए अधिक से अधिक 250 रुपए ले सकते हैं। इससे पहले, प्राईवेट लैबें, जो अपनी खुद की किटों का प्रयोग कर रहे हैं, के लिए रैपिड एंटीजेन टेस्टिंग की कीमत 1000 रुपए से घटा कर 700 रुपए कर दी गई थी जिसमें जीएसटी और अन्य टैक्स शामिल हैं। निजी अस्पताल / लैब स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के द्वारा मुफ़्त मुहैया करवाई गई आर.ए.टी. किटों के प्रयोग के लिए एसओपीज़ की पालना करेंगे।

आर.ए.टी. किटों के प्रयोग के लिए स्टैंडर्ड ओपरेटिंग प्रोसीजर पर रौशनी डालते हुये स. सिद्धू ने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की तरफ से निजी अस्पतालों /लैबों को आर.ए.टी. किटें मुफ़्त दी गई हैं। निजी अस्पतालों /क्लीनिकों और लैबों में कोविड -19 के शक्की मरीज़ों के नमूने लेने के लिए अलग आईसोलेटड क्षेत्र होना चाहिए। नमूना लेने वाला व्यक्ति पूरी तरह पी.पी.ई किट को पहनना यकीनी बनाऐगा। दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वास्थ्य संस्था के पास टैस्ट के बाद बायोमैडीकल अवशेष के प्रबंधन का उचित बंदोबस्त होना चाहिए।

पनबस मुलाजिमों ने पंजाब सरकार के खिलाफ पुतला फूंक कर किया प्रदर्शन

अगर सरकार उनकी मांगों को मानती है तो ठीक है नहीं तो आने वाली 10 तारीख को तीखा संघर्ष

■ जालंधर/रवि

पिछले कई समय से पनबस मुलाजिम अपनी मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन करते आ रहे है और पनबस मुलाजिमों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और पुतला फूंका। इस मौके पर पनबस यूनियन कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स के प्रधान गुरप्रीत सिंह ने कहा कि उनकी मांगे जो पिछले कई समय से चली आ रही है जैसे कि कच्चे मुलाजिमों को पक्के करना उसके अलावा मोंटेक सिंह अहलूवालिया की और से सरकार को एक रिपोर्ट तैयार करके दी गई है जिसकी वह निंदा करते हैं जिससे प्राइवेट बसों को और ट्रांसपोर्ट

माफिया को बढ़ावा मिलेगा उसका वह विरोध करते हैं अगर सरकार उनकी मांगों को मानती है तो ठीक है नहीं तो आने वाली 10 तारीख को तीखा संघर्ष किया जाएगा। वहीं इस मौके पंजाब स्टेट बॉडी के मीत प्रधान जसवंत सिंह ने बताया कि पनबस मुलाजिमों के भत्ते में काट छांट न कि जाए ओर आने वाली 10 तारीख को पनबस मुलाजिमों द्वारा एक मीटिंग रखी गई है जिस के बाद अगले संघर्ष की तैयारी की जाएगी ।

भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज (रजि.)भारत की हुई मीटिंग

■ जालंधर/रवि

आज भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज (रजि.)भारत की एक मीटिंग जिला संगठन के चुनाव के संबंध में नगर निगम में यूनियन के कार्यालय में की गई। इस मीटिंग की अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय संचालक वीर श्रेष्ठ सुभाष

सौंधी ने की। सर्व सहमति से जिला प्रधान वीर पवन प्रषोथी को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय निर्देशक विरोत्तम विशन दास सहोता, राष्ट्रीय लेखा नरीक्षक वीर रोहित सहोता, प्रान्तीया सह-करनवीर, पंजाब अशोक प्रान्तीया कार्यकरणी सदस्या गुलजार खोसला ,जिला यूथ विंश प्रधान बाऊ थापर,रमेश टांक, दीपक थापर,रवि संगर,रवि थापर,रिक्की संगर, अश्विनी थापर,अनिल वाल्मीकि, सभ्रवाल लाडी मट्टी सन्नी एक्लव्या,प्रिंस रामामंडी ,मन्नी रामामंडी, विक्की छिंदा,विनस भोलक भील,अमित गिल,माखन सिंह,गोरा थापर, सन्नी,विककी पहलवान आदि मौजूद थे।

पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री विजय सांपला और रोबिन सांपला के नेतृत्व में डी.सी.कार्यालय के सामने साधु सिंह धर्मसोत का पुतला फूंका

■ जालंधर/रवि

श्री गुरु रविदास संघर्ष कमेटी पंजाब के प्रधान रोबिन सांपला के नेतृत्व मंस आज पंजाब के कैबिनेट मंत्री साधु सिंह धर्मसोत का पुतला फूंका गया। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री विजय सापला विशेष तौर पर पहुंचे । प्रदर्शनकारीओ ने मांग की कि पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम में करोड़ों का घोटाला करने के आरोपों में घिरे पंजाब के मंत्री साधु सिंह धर्मसोत को मंत्री पद से हटाया जाए और इस मामले की जांच सीबीआई से करवाई जाए। इस मौके पर श्री गुरु रविदास संघर्ष कमेटी पंजाब के प्रधान रोबिन सांपला ने कहा कि पंजाब के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी कृपा शंकर सरोज की रिपोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि इस घोटाले में सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण एवं अल्पसंख्यक

विभाग के मंत्री साधु सिंह धर्मसोत की भी मिलीभगत है, इसलिए मंत्री को पद से हटाने के साथ-साथ घोटाले में शामिल सभी अधिकारियों को डिस्मिस किया जाए।

रोबिन सांपला ने कहा कि पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम के तहत उन शिक्षण संस्थानों को भी पैसा आवंटित कर दिया गया जिनको माननीय हाईकोर्ट ने रोक लगा रखी थी। इसलिए उन सभी शिक्षण संस्थानों से पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम का पैसा वसूला जाए जिन्हें यह पैसा आवंटित किया गया है। रोबिन सांपला ने कहा है कि एडीशनल चीफ सेक्रेट्री की रिपोर्ट में करीब 1 साल के घोटाले का पर्दाफाश हुआ है जो कि करीब 64 करोड़ रुपए का है ।

उन्होंने कहा कि अगर पिछले सालों के रिकॉर्ड की जांच की जाए तो यह घोटाला और भी ज्यादा हो सकता है। उन्होंने कहा कि साधु सिंह धर्मसोत दलित समुदाय से ही है इसके बावजूद उन्होंने दलित विद्यार्थियों के साथ अन्याय किया है। वह मंत्री पद पर रहने के काबिल नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ही दलितों को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया है।

रोबिन सांपला ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार दलित विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए यह पैसा पंजाब को और देश के बाकी राज्यों को भेजती है मगर पंजाब की कांग्रेस सरकार दलित विद्यार्थियों को उनके हक से वंचित रख रही है। दलित विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार की स्कीम पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा है कि दलित विद्यार्थी पोस्ट मैट्रिक स्कीम का पैसा लेने के लिए सड़कों पर धरने लगा रहे हैं मगर पंजाब की कांग्रेस सरकार के मंत्री पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम का पैसा जारी करने की बजाय उस में मिलीभगत कर घोटाले कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास संघर्ष कमेटी तब तक संघर्ष जारी रखेगी जब तक दलित विद्यार्थियों को उनका हक नहीं मिल जाता।

इस मौके पर पूर्व केंद्रीए राज्य मंत्री विजय सांपला, रोबिन सांपला, रमेश शर्मा,आशु सांपला, हिमांशु शर्मा, सोनू दिनकर,दिनेश वर्मा, नविन रिक्की, अक्षय जम्मू, अश्वनी बबूटा,सूरज संगर, और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

युवराज सिंह ने 304 वनडे में 8701 रन बनाने के अलावा 111 विकेट भी लिये हैं। उन्होंने देश की तरफ से 40 टेस्ट और 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं।

स्पोर्ट्स प्लैनट

बिग बैश लीग 2020-21 का हिस्सा बन सकते हैं युवराज सिंह, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया कर रहा मदद

■ मेलबर्न/ब्यूरो

पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलना चाहते हैं और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) उनके लिये क्लब ढूंढने में मदद कर रहा है। अभी तक भारत का कोई भी खिलाड़ी बीबीएल में नहीं खेला है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सक्रिय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में खेलने की अनुमति नहीं देता है। अड़तीस वर्षीय युवराज ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और इस तरह से उनका विदेशी लीग में खेलने का रास्ता साफ हो गया है। सिडनी मार्निंग हेरल्ड की रिपोर्ट के अनुसार युवराज के मैनेजर जैसन वार्न ने ने पुष्टि की कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया इस पूर्व भारतीय आलराउंडर में दिलचस्पी रखने वाली फ्रेंचाइजी ढूंढने की कोशिश कर रहा है। वार्न ने सोमवार को कहा, ''हम सीए के साथ मिलकर टीम तलाश

रहे हैं।'' विश्व कप 2011 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे युवराज ने 2017 के बाद भारत के लिये कोई मैच नहीं खेला है। बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने 304 वनडे में 8701 रन बनाने के अलावा 111 विकेट भी लिये हैं। उन्होंने देश की तरफ से 40 टेस्ट और 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं। रिपोर्ट के अनुसार हालांकि बीबीएल क्लब अभी युवराज में बहुत अधिक दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हें। आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स संघ के अध्यक्ष और इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपरकिंग्स की तरफ से खेल चुके शेन वाटसन का मानना है कि बीबीएल में भारतीय खिलाड़ी का शामिल होना अविश्वसनीय होगा। वाटसन ने कहा, ''उनके लिये इस टूर्नामेंट में खेलना अविश्वसनीय होगा। यह आदर्श स्थिति है। भारत में कई विश्वस्तरीय टी20 खिलाड़ी हैं जो भारत के लिये नहीं खेल रहे हैं तथा बिग बैश और दुनिया भर के अन्य टूर्नामेंट के लिये उपलब्ध हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो इससे बड़ा अंतर पैदा होगा।

सेरेना विलियम्स की धमाकेदार जीत, 53वीं बार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

■ न्यूयार्क/ब्यूरो

सेरेना विलियम्स ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद दो सप्ताह पहले उन्हें हराने वाली मारिया सकारी के खिलाफ तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मैच में जीत दर्ज करके लगातार 12वीं बार यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। खाली पड़े आर्थर ऐस स्टेडियम में तीसरी वरीयता प्राप्त सेरेना ने खुद ही अपना उत्साह बढ़ाया और यूनान की 15वीं वरीय सकारी को 6-3, 6-7 (6), 6-3 से हराने में सफल रही। सकारी ने वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन में सेरेना को पराजित किया था। सेरेना ने मैच के दौरान जोर जोर से बोलकर खुद का हौसला बढ़ाती रही। उन्होंने इस बारे में कहा, ''मुझे लगता है कि दर्शक हों या नहीं मैं काफी बोलती हूं। मैं बेहद जुनूनी हूं। यह मेरा काम है। मैं इस तरह से खुद का हौसला बढ़ाती हूं। मैं कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक देती हूं।'' इस महीने के आखिर में 39 वर्ष की होने वाली सेरेना सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये बुल्गारिया की गैरवरीयता प्राप्त स्वेताना पिरिनकोवा से भिड़ेगी। बच्चे के जन्म के कारण तीन साल तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाली 32 वर्षीय पिरिनकोवा ने एलिज कोर्नेट पर 6-4, 7-6 (5), 6-3 से जीत दर्ज की। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त सोफिया केनिन हालांकि चौथे दौर से आगे नहीं बढ़ पायी। बेल्जियम की 16वीं वरीय एलिस मर्टेन्स ने उन्हें सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से पराजित किया। इस तरह से केनिन का लगातार दो ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। केनिन ने इस साल आस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता था। मर्टेन्स का सामना गैरवरीय विक्टोरिया अजारेंका से होगा जिन्होंने चेक गणराज्य की 20वीं वरीय कारोलिना मुचोवा को 5-7, 6-1, 6-4 से हराया। अजारेंका की यह लगातार नौवीं जीत है। उन्होंने इससे पहले वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन में खिताब जीता था जो न्यूयार्क में ही जैव सुरक्षित वातावरण में खेला गया था।

सीपीएफ कर्मचारी यूनियन ने पंजाब सरकार द्वारा जारी अधिसूचना की प्रतियां डी.सी कार्यालय के सामने जलाकर विरोध किया

■ जालंधर/रवि

सीपीएफ कर्मचारी यूनियन पंजाब और पुरानी पेंशन योजना बहाली संघर्ष समिति सिंह, प्रदेश अध्यक्ष, जसवीर तलवाड़ा, प्रदेश अध्यक्ष और सभी राज्य नेताओं ने हाल ही में एक बैठक की और दो मुख्य संगठनों को मिला दिया और अब राष्ट्रीय पेंशन योजना कर्मचारी संघ का गठन किया गया है। आज यहां इसका खुलासा करते हुए जिला अध्यक्ष दविंदर भट्टी और अमनदीप सिंह ने कहा कि एनपीएसईयू संगठन ने पंजाब सरकार के अड़यिल रवैये के खिलाफ वर्ष 2019 में पुरानी पेंशन योजना की बहाली पर एक समीक्षा समिति का गठन किया था। गठन की अधिसूचना की प्रतियां जलाने के लिए कार्रवाई की गई है, क्योंकि यह समिति पेंशन पारिवारिक पेंशन प्रदान करने के आदेश जारी किए थे। इन आदेशों से कर्मचारियों को भी महत्वपूर्ण लाभ मिलने लगे है इसके विपरीत पंजाब सरकार को अपने कर्मचारियों की मुख्य मांगों को पूरा करना होगा जैसे कि पुरानी पेंशन योजना की बहाली / डीए की किस्तों का भुगतान / वेतन आयोग की रिपोर्ट का कार्यान्वयन आदि। कर्मचारियों को

बहाली के नाम पर केवल समय बर्बाद कर रही है, क्योंकि इतने लंबे समय के बाद भी समिति द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। जिसके कारण आज प्रदेश भर के कर्मचारियों ने बड़े पैमाने पर इस पत्र की प्रतियां जलाकर पंजाब के हर जिलों में विरोध प्रदर्शन किया है। नेताओं ने आगे कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने की नीति का पालन कर रही थी क्योंकि केंद्र सरकार ने ड्यूटी के दौरान उनकी मृत्यु के बाद 2004 के बाद भर्ती हुए कर्मचारियों को लाभ प्रदान करने में अनावश्यक देरी भी इस महामारी के दौरान लोक सेवकों को प्रोत्साहित करने के बजाय श्रमिक वर्ग का शोषण कर रही है।

जिसे संगठन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। सरकार को चेतावनी भरे लहजे में संबोधित करते हुए, नेताओं ने कहा कि अगर पुरानी पेंशन योजना को जल्द ही बहाल नहीं किया गया और केंद्र सरकार की तर्ज पर पारिवारिक पेंशन लागू करने की अधिसूचना लागू नहीं की गई, तो राज्य समिति के अगले निर्णय के अनुसार संघर्ष तेज किया जाएगा।

डेविएट कॉलेज में कुक का काम करने वाले को दातार दिखा कर मोबाइल छिना

■ जालंधर/रवि

चोरी की वारदाते हर रोज़ सुनने में सामने आ रही है इसी तरह का एक

मामला सामने आया है आज सुबह राजू पिता का नाम अयोध्या जो की डेविएट कॉलेज में कुक का काम करता है और ग्रीन फील्ड एरिया में रहता है अपने घर से सुबह तकरीबन 7.30 बजे काम पर निकला । उसी वक्त कपूरथला रोड नज़दीक कोहिनूर फैक्ट्री के पास दो मोटरसाइकिल सवार लड़को ने रोका जिनके हाथ में एक तेज़धार हथियार(दातार) था वह उसको हथियार दिखा कर उसका मोबाइल ओपपो ए 3.5 छिन कर फरार हो गए। उसने पुलिस के पास अपनी शिकायत दर्ज करवा दी है और पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.